



















सेंसेक्स  
61749.25 पर बंद  
निफ्टी  
18255.80 पर बंद

# ल्याप्टॉप

## चौथी तिमाही में नरम पड़ी कंपनियों की कमाई, शुद्ध मुनाफा महज 2.3 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्त वर्ष 2023 की जनवरी-मार्च तिमाही में कंपनियों के शुरुआती नतीजे शनदार दिख रहे थे लेकिन बाद में और कंपनियों के नतीजे आने के बाद थोड़ी नरमी दिख रही है। चौथी तिमाही के लिए अभी तक 390 कंपनियों ने नतीजे जारी किए हैं, जिनका एकीकृत शुद्ध मुनाफा पिछले साल जनवरी-मार्च से महज 2.3 फीसदी बढ़ा है, जो वित्त वर्ष 2021 की पहली तिमाही के बाद सबसे कम मुनाफा बढ़ा है। वित्त वर्ष 2022 की चौथी तिमाही में इन कंपनियों का कुल शुद्ध मुनाफा 47.6 फीसदी और वित्त वर्ष 2023 की तीसरी तिमाही में 3.4 फीसदी बढ़ा था। आय बढ़िया की रफ्तार कम होने और ऊंची ब्याज दरों के कारण ब्याज लागत पहले से इन कंपनियों के मुनाफे पर असर पड़ा है।

कंपनियों की कमाई पर सबसे ज्यादा चोट ऊंची ब्याज लागत से पड़ी है। कंपनियों का ब्याज पर कुल खर्च वित्त वर्ष 2023 की चौथी तिमाही में जनवरी-मार्च 2022 के मुकाबले 37.7 फीसदी बढ़ा गया, जो पिछली 17 तिमाही में सबसे ज्यादा बढ़ोतार है।

जिसों की कम लागत से कंपनियों को जितना काफ़ी मिला था, वह ब्याज की ऊंची लागत के कारण साफ़ हो गया। कंपनियों की



कच्चे माल की लागत पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में महज 0.8 फीसदी बढ़ी, जिससे अधिक लाभ हुआ है। बैंकों और बाजार कंपनियों के बेंडर प्रदर्शन के बावजूद कुल मिलाकर कंपनियों की कमाई कमज़ोर रही।

मोर्तीलाल ओसवाल सिक्योरिटीज के गोप्तम दुगाड़ और देवेन मिस्ट्री ने कहा, 'बीएफएसआई' और बैंक कंपनियों की अमीरकृष्ण आया पर मजबूत प्रदर्शन दिख रहा था लेकिन धूत और खनन कंपनियों का प्रदर्शन उम्मीद से कमज़ोर रहने के कारण व्यापक स्तर पर इसका लाभ नहीं मिल पाया।'

कंपनियों की कमाई में बैंक, वित्तीय और बीमा क्षेत्र बढ़िया की इज़ज़ान बना रहा, लेकिन इसकी रफ्तार थोड़ी धीमी पड़ी। नमूने में शामिल 'बीएफएसआई' कंपनियों का समीकृत शुद्ध

मुनाफा वित्त वर्ष 2023 की चौथी तिमाही में सालाना आधार पर 13.6 फीसदी बढ़ा, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 11.6 फीसदी और वित्त वर्ष 2023 की तीसरी तिमाही में 37.3 फीसदी बढ़ा था। समीक्षार्थीन तिमाही में कंपनियों की कुल कमाई में बीएफएसआई कंपनियों की हिस्सेदारी 39.2 फीसदी रही, जो किसी अन्य क्षेत्र की तुलना में अधिक है।

'बीएफएसआई' कंपनियों को ऊंची उम्मीद से कमज़ोर रहने के कारण व्यापक स्तर पर इसका लाभ नहीं मिल पाया।'

कंपनियों की कमाई में बैंक, वित्तीय और बीमा क्षेत्र बढ़िया की इज़ज़ान बना रहा, लेकिन इसकी रफ्तार थोड़ी धीमी पड़ी। नमूने में शामिल 'बीएफएसआई' कंपनियों का समीकृत शुद्ध

### सोना ऑल टाइम हाई से फिसला, चांदी के भी गिरे भाव

शादियों के सीजन के बीच सोने-चांदी के भाव में आज राहत है। आज सरफ़ा बाजारों में सोना 38.8 रुपये सस्ता होकर 61108 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव से खुला, जबकि चांदी में 1049 रुपये की बड़ी प्रवाह देखी जा रही है। 6 मई के सरफ़ा बाजारों में 24 कैरेट सोने का हाजिर भाव ऑल टाइम हाई 61739 रुपये पर पहुंच गया था। शुक्रवार के बांद भाव 38.8 रुपये प्रति किलो के मुकाबले चांदी आज 13.8 रुपये पर खुली। अर्डिनेजे एप्रिल से बाजार 22 कैरेट सोना शुक्रवार के बांद भाव 556330 रुपये प्रति 10 ग्राम से 356. रुपये सस्ता होकर 55974 रुपये के रेट से खुला। इसके अलावा आज 18 कैरेट सोना 291 रुपये पर गिरकर 45831 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव से खुला। सोने-चांदी के इसे रेट जो एप्रिल सोना और ज्येष्ठे में बिक्री की तुलना में अधिक है।

खर्च इस दौरान 36.8 फीसदी बढ़ा है। 'बीएफएसआई' कंपनियों को निकाल दें तो नमूने में शामिल कंपनियों का कुल शुद्ध मुनाफा वित्त वर्ष 2023 की चौथी तिमाही में 3.8 फीसदी बढ़ाया है। इन कंपनियों की शुद्ध आय 8.5 फीसदी बढ़ी है।

लंबी अवधि के टैक्स पर बजट में बदलाव किया गया है, ऐसे में खुदरा रीट एक अकर्षक निवेश का साधन बन सकता है।

### खुदरा निवेशकों के लिए रीट की शुरुआत

ब्लैकस्टोन की समर्थक कंपनी नेक्सस के लिंकेट ट्रट की यूनिट्स को आप 11 मई तक खरीद सकते हैं। इसका मूल्य 95 से लेकर 100 रुपये प्रति युनिट है। यानी आपको कम से कम 150 यूनिट खरीदना होगा। यह यूनिट्स स्टॉक एक्सचेंज पर सॉबीटूड होंगी। यह भारत का पहला खुदरा रीट अपीलीओं के तौर पर इसका नाम हुआ है। इसमें पहले तीन रीट अपीलीओं की आय देता है। यह भारत का पहला खुदरा रीट बाजार में आसने से बदला रहा है। यह तीनों आपको मैनेजमेंट वाले रीट थे। यानी इसमें खुदरा निवेशकों की भी कम से कम 50,000 रुपये से निवेश की शुरुआत करनी होती है।

लंबी अवधि के टैक्स पर बजट में बदलाव किया गया है, ऐसे में खुदरा रीट एक अकर्षक निवेश का साधन बन सकता है।

### खुदरा निवेशकों के लिए रीट की शुरुआत

ब्लैकस्टोन की समर्थक कंपनी नेक्सस के लिंकेट ट्रट की यूनिट्स को आप 11 मई तक खरीद सकते हैं। इसका मूल्य 95 से लेकर 100 रुपये प्रति युनिट है। यानी आपको कम से कम 150 यूनिट खरीदना होगा। यह यूनिट्स स्टॉक एक्सचेंज पर सॉबीटूड होंगी। यह भारत का पहला खुदरा रीट अपीलीओं के तौर पर इसका नाम हुआ है। इसमें पहले तीन रीट अपीलीओं की आय देता है। यह भारत का पहला खुदरा रीट बाजार में आसने से बदला रहा है। यह तीनों आपको मैनेजमेंट वाले रीट थे। यानी इसमें खुदरा निवेशकों की भी कम से कम 50,000 रुपये से निवेश की शुरुआत करनी होती है।

आपको यह भी पराया होता है कि यह विभिन्न तरीके से आपको आय देता है। यह भारत का खुदरा रीट एक अकर्षक निवेश का साधन बन सकता है।

लंबी अवधि के टैक्स पर बजट में बदलाव किया गया है, ऐसे में खुदरा रीट एक अकर्षक निवेश का साधन बन सकता है।

### पहले के रीट काफी महंगे भाव पर

बहुत तक जो तीन रीट सूचीबद्ध हुए हैं, वे काफी महंगे भाव पर आया था। इनका भाव 275 से 300 रुपये के बीच था।

हालांकि, बावजूद इनके इन सभी ने निवेशकों को फायदा ही दिया है। रीट में आपको यह भी पराया होता है कि यह विभिन्न तरीके से आपको आय देता है। यह भारत का खुदरा रीट बाजार में आसने से बदला रहा है। यह भारत का पहला खुदरा रीट बाजार में आसने से बदला रहा है। यह तीनों आपको निवेश करने के लिए नकदी संग्रह करने के लिए बाजार में आसने से बदला रहा है। यह भारत का पहला खुदरा रीट बाजार में आसने से बदला रहा है।

आपको यह भी पराया होता है कि यह विभिन्न तरीके से आपको आय देता है। यह भारत का खुदरा रीट बाजार में आसने से बदला रहा है। यह भारत का पहला खुदरा रीट बाजार में आसने से बदला रहा है।

लंबी अवधि के टैक्स पर बजट में बदलाव किया गया है, ऐसे में खुदरा रीट एक अकर्षक निवेश का साधन बन सकता है।

लंबी अवधि के टैक्स पर बजट में बदलाव किया गया है, ऐसे में खुदरा रीट एक अकर्षक निवेश का साधन बन सकता है।

लंबी अवधि के टैक्स पर बजट में बदलाव किया गया है, ऐसे में खुदरा रीट एक अकर्षक निवेश का साधन बन सकता है।

लंबी अवधि के टैक्स पर बजट में बदलाव किया गया है, ऐसे में खुदरा रीट एक अकर्षक निवेश का साधन बन सकता है।

लंबी अवधि के टैक्स पर बजट में बदलाव किया गया है, ऐसे में खुदरा रीट एक अकर्षक निवेश का साधन बन सकता है।

लंबी अवधि के टैक्स पर बजट में बदलाव किया गया है, ऐसे में खुदरा रीट एक अकर्षक निवेश का साधन बन सकता है।

लंबी अवधि के टैक्स पर बजट में बदलाव किया गया है, ऐसे में खुदरा रीट एक अकर्षक निवेश का साधन बन सकता है।

लंबी अवधि के टैक्स पर बजट में बदलाव किया गया है, ऐसे में खुदरा रीट एक अकर्षक निवेश का साधन बन सकता है।

लंबी अवधि के टैक्स पर बजट में बदलाव किया गया है, ऐसे में खुदरा रीट एक अकर्षक निवेश का साधन बन सकता है।

लंबी अवधि के टैक्स पर बजट में बदलाव किया गया है, ऐसे में खुदरा रीट एक अकर्षक निवेश का साधन बन सकता है।

लंबी अवधि के टैक्स पर बजट में बदलाव किया गया है, ऐसे में खुदरा रीट एक अकर्षक निवेश का साधन बन सकता है।



